विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग नवम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता:-25-06-2020 (Board Based Questions)

अधोलिखितगद्यांशौ पठित्वा प्रश्नानां उत्तराणि लिखत –

सूर्योदयात्प्राग् ग्रामाद्बहि: पिप्पलवृक्षमनु त्वयागन्तव्यम्।अहं तुभ्यं तण्डुलमूल्यं दास्यामि।प्रहर्षिता बालिका निद्रामपि न लेभे।सूर्योदयात्पूर्वमेव सा तत्रोपस्थिता। वृक्षस्योपरिविलोक्य सा चाश्चर्यचकिता सञ्जाता ।यत्तत्र स्वर्णमय:प्रासादो वर्तते।यदा काक: शयित्वा प्रबुध्दस्तदा तेन स्वर्णगवाक्षात्कथितं हंहो बाले ! त्वमागता,तिष्ठ,अहं त्वत्कृते सोपानमवतारयामि, तत्कथय स्वर्णमयं रजतमयमुत ताम्रमयं वा ? कन्या प्रावोचत् अहं निर्धनमातुर्दुहिताऽस्मि। ताम्रसोपानेनैव आगमिष्यामि। परं स्वर्णसोपानेन सा स्वर्ण –भवनमाससाद।

अर्थ:- तुम सुर्योदय से पहले गांव के बाहर पीपल के वृक्ष के पीछे आना। मैं तुम्हें चावलों का मूल्य दे दुंगा। प्रसन्न बालिका को नींद भी नहीं आई। वह सूर्योदय से पहले ही वहां चली गई। वृक्ष के ऊपर देखकर वह हैरान हो गई कि वहां सोने का महल है। जब कौआ हो कर जगा तो उसने सोने की खिड़की से कहा- अरी बालिके! तुम आ गई। ठहरो, मैं तुम्हारे लिए सीढ़ी उतारता हूं। लड़की ने कहा मैं निर्धन माता की बेटी हूं , मैं तांबें की सीढ़ी से ही जाऊंगी। किन्तु वह सोने की सीढ़ी से महल में पहुंची।

(१)एकपदेन उत्तरत –

(क)का निद्रामपि न लेभे?

(ख)क:तुभ्यं(बालिकां)तण्डुलमूल्यं दास्यति?

(ग)पिप्पलवृक्षम् कुत्र आसीत् ?

(घ)बालिका केन सोपानेन स्वर्णभवनम् आससाद ?

(२) पूर्णवाक्येन उत्तरत–

(क) बालिका किं दृष्ट्वा आश्चर्यचकिता जाता?

(ख)बालिका कस्या: पुत्री आसीत् ?

(३)भाषिककार्यम् –

(क)'लेभे' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किं?

(ख)'महलम्'इति पदस्य पर्यायपदं किम् ?

(ग)'पश्चात्'इति पदस्य विपर्ययपदं किम्?

(घ)''यदा काकः शयित्वा प्रबुद्धः।''अस्मिन् वाक्ये अव्ययपदम् किम्?